हाथ बढ़ाओ | by Gudiya Vibha Mishra

श्याम मेरे श्याम मेरे श्याम मेरे श्याम
हाथ मेरा भी लो अब थाम

मैं हार गया हूँ बाबा हारे का साथ निभाओ
मैं बैठा बांह पसारे एक बार तो हाथ बढ़ाओ
मैं हार गया हूँ बाबा.....

हारे का साथ निभाना तेरा दस्तूर पुराना
मेरी उम्मीद भी तुम हो प्रभु मुझको भूल ना जाना
कांटो के इस जीवन में एक बार तो फूल खिलाओ
मैं बैठा बांह पसारे एक बार तो हाथ बढ़ाओ
मैं हार गया हूँ बाबा.....

विपदा ने घेर लिया है ज़ख्मो ने ढेर किया है
मैं आस लगाऊं किस से सबने मुंह फेर लिया है
है आस की डोर ये नाज़ुक मुझे आकर धीर बंधाओ
मैं बैठा बांह पसारे एक बार तो हाथ बढ़ाओ
मैं हार गया हूँ बाबा.....

माना की आँखें नम हैं होंठों पे आया दम है
मैं हार गया हूँ लेकिन विश्वास मेरा कायम है
अब दूर करो दु:ख मेरा खुशियों के दीप जलाओ
मैं बैठा बांह पसारे एक बार तो हाथ बढ़ाओ
मैं हार गया हूँ बाबा.....

खाली जो दर से जाऊं क्या जग को मैं बतलाऊँ
होगी बदनामी तेरी जो हरगिज़ मैं ना चाहूँ
माधव अब हाथ में तेरे तरसाओ या हर्षाओ
मैं बैठा बांह पसारे एक बार तो हाथ बढ़ाओ
मैं हार गया हूँ बाबा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%ac%e0%a4%a2%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%93-by-vibha-mishra/